# तोड़फोड़ के बाद नए आशियाने की तलाश में लोग

छत्तीसगढ़ संवाददाता

**राजनांदगांव,** 8 फरवरी। अतिक्रमण की चपेट में आये लोगों के लिए अब नया अशियाना बनाना आसान नहीं है। लोगों के लिए इस समस्या ने आर्थिक मुश्किले भी खड़ी कर दी है। शहर के गंजलाईन, लखोली नाका चौका, मठपारा, नंदई एवं बसंतपुर क्षेत्र में प्रशासन ने बेजा कब्जाधारियों को सरकारी जमीन से बेदखल कर दिया है। वहीं संभावित अतिक्रमण होने की संभावना को देखकर शहर के दूसरे वार्डों में लोग व्यक्तिगत तौर पर अतिक्रमण हटाने लगे हैं।

इस बीच तोड़फोड की कार्रवाई से प्रभावित लोगों का कारोबार भी प्रभावित हुआ है। अंदरूनी स्तर पर कतिपय नेताओं ने प्रशासन के खिलाफ माहौल भी बनाना शुरू कर दिया है। बताया जाता है कि जिला प्रशासन के खिलाफ भाजपा से जुड़े नेताओं ने इस मुद्दे को राजनीतिक रंग देने का प्रयास करना शुरू कर दिया है। हालांकि राज्य शासन को यहां चल रहे अभियान की पूरी जानकारी

है। छोटे कुनबे में रहने वाले लोगों को नए बसेरे के लिए प्रशासन से काफी उम्मीद है। यद्यपि कब्जा कर वर्षों से निवासरत लोगों को प्रशासन ने नई व्यवस्थापन का भरोसा दिलाया है। प्रशासनिक कार्रवाई के विरोध को लेकर भी होटल एवं खोमचे में कारोबार करने वाले फुटकर व्यापारियों को भी एकजुट करने की कोशिश की गई। यह भी है कि राजनांदगांव शहर की बसाहट वर्षों से तितर-बितर है।

शहर के व्यापारिक मार्गों की खस्त हालत किसी से छिपी नहीं है। व्यापार के नाम पर कब्जा करने का अघोषित अभियान भी यहां पर वर्षों से चल रहा है। पहली बार प्रशासन ने सीधे अतिक्रमणकारियों को बेदखल करने के लिए बड़े पैमाने पर अभियान चलाया है। उधर मकान जमींदोज होने के बाद से लोगों की व्यवहारिक परेशानी भी बढ़ी है। प्रशासन के सामने मुश्किल यह है कि कब्जाधारियों के लिए मुआवजा की व्यवस्था नहीं है। कारण साफ है कि सरकारी जमीन पर वर्षों से दुकानदारी और मकान में रहने की वजह से अतिक्रमणकारियों को इसका लाभ नहीं मिल पाया है। नए आशियाना बनाने के लिए लोगों को नई जमीन की तलाश में इधर-उधर भटकना पड़ रहा है। प्रशासन ने इस मसले को मानवीय संवेदना के आधार पर निराकरण करने के लिए भी प्रयास करना प्रारंभ किया है। बहरहाल शहर में टूटे मकानों तथा कारोबारियों को अब नए ढंग से जीवनयापन तथा रहन-सहन के लिए व्यवस्था करनी पड़ रही है।

राजनांदगांव। बच्चों की मौजूदगी से गार्डन और पार्क हमेशा गुलजार रहते हैं। शाम ढ़लते ही शहर के गार्डनों में नौनिहालों की उछल-कूद से माहौल सुकून भरा रहता है।

# अछोटी में मना कौशल्या महोत्सव

छत्तीसगढ़ संवाददाता

**भिलाईनगर,** 8 फरवरी। संस्कृति विभाग छग शासन एवं ग्राम अछोटी के सहयोग से अगासदिया द्वारा कुम्हारी के पास स्थित गांव अछोटी में माता कौशल्या महोत्सव का आयोजन 6 फरवरी को हुआ। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि पर्यटन-संस्कृति मंत्री बृजमोहन अग्रवाल थे।

कार्यक्रम में पूर्व मंत्री भूपेश बघेल ने कहा कि छग राज्य के विकास एवं छग के मान-सम्मान की जो जिम्मेदारी हम सब पर है, उसके लिए जो भी काम करना है उस पर सबकी नजर रहती है। हम ईमानदारी से काम करते हैं या नहीं, इसका प्रति क्षण आंकलन होता है। संत पवन दीवान ने कहा कि देश के अन्य प्रांतों की बड़ी पहचान अपने इतिहास से जुड़ कर आगे बढ़ने के कारण है। श्रीराम की माता छत्तीसगढ़ की बेटी, माता कौशिल्या से हमारी पहचान बनेगी तो सारा संसार हमें नए सिरे से जानेगा।

विशेष अतिथि अहिवारा के विधायक महंत डोमनलाल कोर्सेवाड़ा ने कहा कि अहिवारा क्षेत्र का गांव लिमतरा लेखक कलाकारों का प्रसिद्ध गांव कहलाता है।

अब अछोटी भी माता कौशल्या महोत्सव के कारण बेहद सम्मानित चर्चित हो गया है। भिलाई-3 की नगर पालिका अध्यक्ष सीता साहू ने भी कार्यक्रम को संबोधित किया। डॉ. परदेशीराम वर्मा ने स्वागत भाषण देते हुए राजमाता फुलवादेवी कांगे के योगदान के संबंध में बताया। संचालन प्रसिद्ध महेश वर्मा एवं राजेन्द्र साहू ने किया।

# विधानसभा की लोक लेखा समिति देखेगी निगम का कच्चा चिट्ठा

## करोड़ों के गोलमाल का मामला उजागर

छत्तीसगढ़ संवाददाता

**बिलासपुर,** 8 फरवरी। बिलासपुर नगर निगम में व्याप्त अनियमितता अब जगजाहिर हो चुका है। स्वहित के लिए निगम के अधिकारियों ने जनता की गाढ़ी कमाई को हड़पने हरसंभव प्रयास किया और ये अधिकारी लगभग सफल ही रहे हैं। निगम में व्याप्त अनियमितता व कई प्रकार के मामलों पर लोकल ऑडिट फंड ने आपत्ति दर्ज कराई थी। विधानसभा की लोक लेखा समिति निगम का स्थानीय संपरीक्षा निधि द्वारा निगम में 60 करोड़ से अधिक की वित्तीय अनियमितता दर्शाते हुए जो ऑडिट आपत्ति दर्ज की गई थी और उस पर निगम से जवाब नहीं मिलने संबंधी 170 पेज की रिपोर्ट ऑडिटर द्वारा तैयार की जा रही है जो पहली बार विधानसभा की लोकलेखा समिति को जाएगी फिर कार्यवाही की अनुशंसा के साथ इसे विधानसभा में रखा जाएगा।

नगर निगम में बीते सालों में निर्माण विकास कार्य में कई प्रकार की अनियमितताएं सामने आई थी वहीं संपत्ति कर समेत तमाम प्रकार के कर भू-भाटक विभिन्न योजनाओं के मदों में परिवर्तन के अलावा अनुदान प्राप्त करने में अनियमितता व अन्य प्रकार के मामलों पर लोकल आडिट फंड ने आपत्ति दर्ज कराई थी और निगम से इस बारे में जवाब भी मांगा था। कई फाइलें भी मंगाई गई थी किन्तु बार-बार आग्रह के बाद भी नहीं दिए जाने की शिकायत आडिटर ने लोकल आडिट फंड के कमिश्नर के अलावा निगमायुक्त तथा राज्य शासन के नगरीय निकाय विभाग के समक्ष रखी थी। अब आडिटर द्वारा सभी प्रकार की वित्तीय अनियमितताओं को लेकर 170 पेज की रिपोर्ट तैयार की जा रही है, जो पहली बार विधानसभा के पटल पर रखी जाएगी।

### किड्जी स्कूल में वार्षिकोत्सव की धूम

**भिलाई नगर,** 8 फरवरी। किड्जी स्कूल प्रांगण में चौथा वार्षिकोत्सव समारोह शिशु रोग विशेषज्ञ डॉ. अजय कावले की अध्यक्षता में सम्पन्न हुआ।

स्कूल के नन्हें-मुन्ने बच्चों ने भारत के अलग-अलग प्रांतों के नृत्यों का प्रदर्शन किया। बच्चों ने गणेश वंदना, स्वागत गीत, छत्तीसगढ़ी गीत, गोवा नृत्य, कश्मीरी पंजाबी गीतों पर नृत्य प्रस्तुत कर बड़ों का मन मोह लिया। विशेष रूप से संस्था के डायरेक्टर गौरव देवांगन, गुंजन देवांगन, प्राचार्य अंजली बग्गा व डॉ. कावले एसके देवांगन, डॉ. गरिमा देवांगन उपस्थित थी।

# रविदास जयंती मनी

छत्तीसगढ़ संवाददाता

**महासमुन्द,** 8 फरवरी। भारतीय जनता निर्माण मजदूर संघ के प्रदेश अध्यक्ष व नगर पालिका के पूर्व अध्यक्ष डॉ. विमल चोपड़ा ने संत शिरोमणी रविदास जयंती के अवसर पर नयापारा स्थित गुरू रविदास मंदिर में आयोजित कार्यक्रम में भाग लिया।

डॉ. चोपड़ा ने कहा कि हमारे लिए सौभग्य का विषय है कि संत रविदास का जन्म छत्तीसगढ़ में हुआ उनकी तपस्या व लोक कल्याणकारी संदेशों से छत्तीसगढ़ की धरती धन्य हो गई है। उक्त कार्यक्रम में प्रमुख रूप से पार्षद देवीचंद राठी, भाजपा अनु.जाति जिला मिडिया प्रभारी राजू बाघमारे, चमार समाज के अध्यक्ष विनोद युगर, सचिव हरेन्द्रलाल मिरी, कोषाध्यक्ष नरसिंग सेवई, जी.आर. मिर्धा, आर.के मिरी, विदवाराम रौतिया, मूलचंद रौतिया आदि उपस्थित थे।

# चरोदा संकुल के सेवानिवृत्त शिक्षकों का सम्मान

छत्तीसगढ़ संवाददाता

**भिलाई नगर,** 8 फरवरी। संकुल स्तरीय सेवानिवृत्त शिक्षकों का सम्मान समारोह विगत दिनों को संकुल केन्द्र चरोदा में संपन्न हुआ।

मुख्य अतिथि बीएल कुर्रे जिला शिक्षा अधिकारी दुर्ग, अध्यक्षता सहायक विकासखंड शिक्षा अधिकारी पाटन गोविंद साव, विशिष्ट अतिथि सहायक विकासखंड शिक्षा अधिकारी पाटन सीएल साहू थे। संचालन आरसी मुदलियार ने किया। विशेष अतिथि के रूप में सुमित्रा बंजारे संकुल प्रभारी चरोदा, मोहित कुमार शर्मा बीएसी पाटन एवं संकुल प्राचार्य सपना चटर्जी शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय चरोदा उपस्थित थे। आभार केएल सिंह प्रधानपाठक चरोदा ने व्यक्त किया।

अतिथियों के द्वारा मां सरस्वती की पूजा-अर्चना की गई। तत्पश्चात रेणु मोहंती शिक्षिका कन्या चरोदा एवं कक्षा आठवीं की छात्राओं के द्वारा सरस्वती वंदना एवं स्वागत गीत मनमोहक नृत्य के साथ प्रस्तुत किया गया। सेवानिवृत्त शिक्षकों बनखंडीराम साहू, सुभद्रा देशमुख, आरएन चंद्राकर एवं सुरेश कुमार चिंचुलकर, सुरेश कुमार कामड़े, पूर्व संकुल प्रभारी चरोदा, अब्बु जफर, मोहित कुमार शर्मा को उत्कृष्ट शिक्षण कार्य हेतु संकुल परिवार चरोदा की ओर से सम्मान किया गया।

बागबाहरा। हजरत मोहम्मद पैगम्बर साहब के जन्मदिन (ईद-मिलादुन्नबी) का पर्व बागबाहरा में हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। रविवार को मुस्लिम समाज को लोगों द्वारा जुलूस निकाली गई। इस दौरान बड़ी संख्या में समुदाय के लोग मौजूद थे।

# ब्रम्हभट्ट समाज का प्रांतीय सम्मेलन मार्च में

**भिलाई नगर,** 8 फरवरी। ब्रम्ह भट्ट ब्राम्हण समाज भिलाई-दुर्ग की मासिक बैठक एवं पारिवारिक मिलन समारोह विगत दिनों सेक्टर-8 स्थित पार्क एथिक्स में सम्पन्न हुआ, जिसमें मां सरस्वती की पूजा एवं अर्चना के साथ कार्यक्रम का विधिवत् शुभारंभ प्रांतीय अध्यक्ष एवं चिरमिरी से आये विशिष्ठ अतिथि एमके शर्मा एवं मनेंद्रगढ़ से आये अवधेश तिवारी द्वारा किया गया।

कार्यक्रम में विभिन्न मनोरंजन एवं खेल प्रतियोगिताएं आयोजित की गई खेल प्रतियोगिताओं में महिला एवं पुरूष टीम के बीच क्रिकेट मैच हुआ, जिसमें महिला टीम विजित रही। कुर्सी दौड़ महिलाओं में प्रथम वंदना भट्ट द्वितीय रानी ब्रम्हभट्ट रही। बच्चों के लिये पास द बॉल प्रतियोगिता में प्रथम साक्षी द्वितीय विजिती एवं तृतीय चिरायु भट्ट रहे। पहचानों तो जाने में प्रथम महेन्द्र कुमार शर्मा, द्वितीय मनु शर्मा एवं तृतीय सत्येश शर्मा रहे।

सामान्य ज्ञान प्रतियोगिता के अंतर्गत क्विज में विश्व प्रसिद्ध व्यक्तियों की पत्नियों के नाम पूछे गये जिसमें प्रथम अभिलाषा भट्ट, द्वितीय आरती राय और पुष्पा शर्मा तीसरे स्थान में रही। कुर्सी दौड़ प्रतियोगिता में वंदना भट्ट प्रथम और रानी ब्रम्हभट्ट द्वितीय स्थान प्राप्त किया। सामूहिक अंताक्षरी एवं हाउजी का भी कार्यक्रम रखा गया।

द्वितीय सत्र में बैठक के अंतर्गत सामाजिक कल्याणकारी योजनाओं पर गहन विचार मंथन किया गया। अखिल भारतीय भट्ट ब्राम्हण महासभा द्वारा रांची झारखंड में 17, 18 मार्च को आयोजित स्व. आचार्य रामचंद्र शास्त्री मयंक जन्म शताब्दी समारोह एवं राष्ट्रीय सम्मेलन में अधिक से अधिक संख्या में पदाधिकारियों और समाज के सदस्यों से शामिल होने की अपील की गयी। आर्य भट्ट भवन धमतरी में 31 मार्च को प्रस्तावित प्रांतीय सम्मेलन की रूपरेखा तैयार की गई।

# देखन में छोटन लगे, घाव करे गंभीर

पेज 13 से आगे

बाहुबली ब्रजेश सिंह को इसी प्रगतिशील मानव समाज पार्टी ने अपने टिकट दिए है अगर इनके बिन्द-मल्लाह के जातिगत वोट इन प्रत्याशियों के अपने प्रभाव-करिश्मे के साथ जुड़कर इनकी क्रमशः हंडिया व सय्यद रजा सीट पर तगड़ी चुनौती खड़ी कर रहे हैं। भाग्य आजमाइश में कई अति सूक्ष्म पार्टियां भी हैं जैसे आंबेडकर क्रांति दल, मुस्लिम अधिकारों और बाबरी पुनर्निर्माण के वकालत करने वाली आल इंडिया माईनारिटी फ्रंट, मोडरेट पार्टी, आदर्श लोकदल, शोषित समाज दल जो पसमांदा मुसलमानों की बात कर रही है।

जिला दर जिला इन सभी पार्टियों की अपनी अहमियत है मसलन मिर्जापुर जिला, गोरखपुर मंडल, बनारस मंडल और इलाहबाद मंडल की करीबन तीन दर्जन सीटों में निषाद-बिन्द जाति का दबदबा है, ये बहुदलीय राजनीति का ही परिणाम है कि सपा के राष्ट्रीय महासचिव विशम्भर प्रसाद निषाद जिन्होंने अपने समाज को एससी लिस्ट में डलवाने का बीड़ा उठा रखा है, को अपनी ही जाति की प्रमुखता वाली प्रगतिशील मानव समाज पार्टी व बसपा के महेन्द्रप्रसाद निषाद से कड़ी चुनौती मिल रही है।

सन 1995 में बसपा के शुरुआती दौर में कांशीराम के खास सिपहसालार रहे सोनेलाल ने कुर्मी जाति को अपन उपनाम पटेल लगाने के साथ साथ अपना दल को वोट देने की अपील के साथ कुर्मियो को एक नया विकल्प दिया था। कुर्मी, जाटों और यादवों की तरह ही पिछड़े तबके की अगड़ी जाति मानी जाती हैं इसके बावजूद भी इनका कोई बड़ा नेतृत्व नहीं उभरा है ना ही इनका कोई मुख्यमंत्री हुआ है। इस पार्टी ने 2002 के विधानसभा चुनावों में 4 सीटें हासिल की पर 2007 में इसे मात्र एक सीट ही मिल पायी पर उन्हें 10 फीसदी वोट मिले जो अपने आप मे उल्लेखनीय बात थी। सोनेलाल की मृत्यु के बाद उनकी पुत्री अनुप्रिया इस दल का नेतृत्व कर रही है जो स्वयं इस बार वाराणसी जिले की रोहनिया विधानसभा क्षेत्र से भाग्य आजमा रही है।

उनके अलावा गैंगस्टर प्रेम प्रकाश सिंह उर्फ मुन्ना बजरंगी व बाहुबली अतीक अहमद को भी अपना दल ने जौनपुर का मंडियाहू सीट व इलाहाबाद की शहर पश्चिमी से उम्मीदवार बनाया है। इन दोनों सीटों का किसी राष्ट्रीय या बड़ी क्षेत्रीय पार्टी की जगह इन दोनों प्रत्याशियों के पक्ष में जाना तय है। मायावती के भतीजे प्रबुद्ध कुमार को इंडियन जस्टिस पार्टी में तोड़कर लाने वाले उदित राज भी इलाहबाद मंडल में सक्रिय है जहाँ उनके नेतृत्व में राज्य के दलितों के बीच अतिदालितों को संगठित करने का प्रयास पिछले एक दशक से जारी है।

साल 2008 में वजूद में आने वाली पीस पार्टी, रशीद मसूद के द्वारा रिक्त स्थान को भरने के लिए व योगी आदित्यनाथ के प्रतिउत्तर में खड़ी हुई, जिसकी 2009 लोकसभा चुनावों में बड़ी संख्या में वोट काटने की क्षमता को देख सब बड़े मुस्लिमों को रिझाने वाले दल डर गए। खुद डॉ अयूब के अनुसार अगर आपकी पार्टी कुछ सीटों पर दूसरे, तीसरे या चौथे स्थान पर है तो इसका मतलब यह है कि आप राजनीति की सीढ़ी पर ऊपर चढ़ रहे हैं। पीस पार्टी को बड़ा अच्छा समर्थन मिल रहा है। मौजूदा विधान सभा के करीबन छह विधायक इस पार्टी से जुड़ चुके है जिसमें से जगदीशुपर विधानसभा में सपा के बागी पूर्व विधायक नंदलाल पासी, फैजाबाद की बीकापुर सीट से निवर्तमान बसपा विधायक जितेन्द्र सिंह बबलू व् रायबरेली सदर सीट से निर्दल जीतने वाले अखिलेश सिंह प्रमुख है। पूर्व बसपा विधायक भाई चंद्रभद्र सिंह इस बार सुल्तानपुर से व् उनके भाई यशभद्र सिंह उनकी द्वारा रिक्त की गयी इसौली सीट से पीस पार्टी से चुनाव लड़ रहे हैं। पार्टी में बड़े नामों के जुड़ने का सिलसिला जारी है।

डीजीपी रहे यशपाल सिंह, आईजी गिरीश नंदन, पत्रकार युसफ अंसारी आदि अराजनीतिक साफसुथरे लोगों की वजह से भी पार्टी को फायदा मिल रहा है। पीस पार्टी की कामायाबी के पीछे सपा में आजम खान और अन्य प्रमुख मुस्लिम नेता रशीद मसूद के बीच टकराव व बसपा के नसीमुद्दीन का हवाई नेता होना भी देखा जा सकता है। ये मुसलमानों के वोटों को जितना बांटेगी उसका खामियाजा सपा को भुगतना पड़ेगा क्यूंकि उनका मुस्लिम-यादव गठजोड़ ज्यादा प्रभावित होगा, वैसे इन छोटे दलों के लिए चुनावी लड़ाई मुश्किल जरूर है पर अगर बसपा विफल हुई तो इन छोटे दलों की स्तिथि काफी मलाईदार हो सकती है।

इत्तेहाद फ्रंट के एक और प्रमुख घटक कौमी एकता दल के हिस्से में कुल 50 सीटें आईं हैं। इनमें अफजाल अंसारी की मुहम्मदाबाद सहित गाजीपुर की चार सीटें भी शामिल हैं। फ्रंट के सदर हजरत मौलाना सलमान अल नदवी ने अफजाल की उम्मीदवारी घोषित करने के अलावा मुस्लिम मतों की बहुलता वाली सैदपुर, जमानियां व मऊ की सीटों पर अफजाल के प्रत्याशियों की जीत की आशा की है। जहाँ मुस्लिम बहुलता वाले पीलीभीत, रायबरेली व हरदोई जिलों में इत्तेहाद फ्रंट ने कांग्रेस के मुस्लिम वोटबैंक में सेंध लगाई है, वहीं पूर्वांचल के मुस्लिम मतों की दावेदारी हेतु प्रतापगढ़, सुल्तानपुर, जौनपुर, आजमगढ़ आदि जिलों में उलेमा कौंसिल ग़दर मचाये हुए है। कल्याण सिंह की लोध बहुल राष्ट्रीय क्रांति दल भी इन चुनावों में एक अलग रंग भर रही है। कल्याण कह रहे है कि देश का जो 62 फ़ीसदी पिछड़ा तबका है उसे सत्ता में हिस्सेदारी नहीं मिली है। उनका मानना है पिछड़ों का कभी भी भाजपा ने सम्मान नहीं किया है, उनकी ये कवायद अपने परिवार के लिए विधायकी सुनिश्चित करवा भाजपा के लोध वोटो में चोट करना है। पिछले विधानसभा चुनाव में उन्होंने तीन सीटें जीती थीं इस बार वे भाजपा की फायरब्रांड नेता उमा भारती को घेर रहे हैं।

महंत आदित्यनाथ के नेतृत्व में भाजपा को भीतरघात करने के लिए हिन्दू युवा वाहिनी नामक संगठन ने भी पांच विधान सभा क्षेत्रों में अपने उमीदवार खड़े किए हैं जिनमें दो जगह वे कड़ी टक्कर दे रहे हैं। वे भाजपा की मौजूदा राज्य इकाई के अध्यक्ष सूर्य प्रताप शाही को उनके सजातीय ठाकुर से पथरदेवा सीट पर टक्कर दे रहे है वही मौजूदा बांसगांव के सांसद कमलेश पासवान की माता सुभावती देवी के खिलाफ रामलक्ष्मण को खड़ा किया है। बाहुबली बसपा विधायक डीपी यादव अपनी ही पार्टी राष्ट्रीय परिवर्तन दल के टिकट पर सहसवान सीट से चुनाव लड़ेंगे। बसपा में शामिल होने से पूर्व यादव और उनकी पत्नी उमलेश ने वर्ष 2007 के विधानसभा चुनाव में राष्ट्रीय परिवर्तन दल के टिकट पर ही चुनाव जीता था। अमर सिंह ने अपनी पार्टी लोकमंच की तरफ से काफ़ी सारे उम्मीदवार उतारे हैं इस बार उनका मकसद अपनी जीत कम, अपने पुराने साथी मुलायम सिंह यादव की हार सुनिश्चित करना है।

जाति आधारित दर्जन भर छोटी पार्टियों का अपना वजूद है इससे दो राय नहीं पर ये पार्टियां खुद भले चुनावी सफलता का परचम न लहरा पाएं पर कई जगह बड़ी पार्टियों के वोट काट कर उनका खेल जरूर बिगाड़ेंगी। बस्ती जिले में एक ग्रामीण खेल है चिका जिसका मूल मंत्र होता है-खेलब न खेलाउब, खेलवै बिगाड़ब, कहीं ये राजनीति के नए मुहरे ऐसा ही तो नहीं करेंगे।

## 38 फीसदी उम्मीदवार अपराधी

रिपोर्ट के मुताबिक, पहले चरण के चुनाव में 44 मौजूदा विधायक मैदान में हैं। वर्ष 2007 में हुए राज्य विधानसभा के पिछले चुनाव में उनकी औसत सम्पत्ति एक करोड़ 43 लाख रुपए थी जो साल 2012 तक बढ़कर तीन करोड़ आठ लाख रुपए हो गयी है। पहले चरण के चुनाव में खड़े उम्मीदवारों में से कर्नलगंज सीट से बसपा के उम्मीदवार अजय प्रताप सिंह सबसे धनी प्रत्याशी हैं। उनके पास 12 करोड़ आठ लाख रुपए की जायदाद है। उनके बाद शोहरतगढ़ से कांग्रेस के उम्मीदवार छह करोड़ 56 लाख रुपए है जबकि बाराबंकी से बसपा उम्मीदवार संग्राम सिंह वर्मा साढ़े पांच करोड़ रुपए की सम्पत्ति के साथ इस फेहरिस्त में तीसरे पायदान पर हैं।

आयकर रिटर्न दस्तावेज के अध्ययन से पता लगा है कि बसपा प्रत्याशी रंजना बाजपेयी की सालाना आमदनी सबसे ज्यादा 91 लाख 51 हजार रुपए है। बसपा के ही विनय शंकर 78 लाख 22 हजार रुपए वार्षिक आय के साथ दूसरे स्थान पर हैं।

### गांजा मामले में एएसआई और दो आरक्षक निलंबित

छत्तीसगढ़ संवाददाता

**बिलासपुर,** 8 फरवरी। गांजा तस्कर के चक्कर में एक एएसआई व दो आरक्षक पर गाज गिरी। केन्द्रीय जेल से जगदलपुर जेल शिफ्ट करते समय कुख्यात गांजा तस्कर पुलिस अभिरक्षा से भाग निकला था। इस मामले पुलिस अधीक्षक ने एक एएसआई और दो आरक्षकों को निलंबित कर दिया है।

कोटा थाना क्षेत्र में उड़ीसा से एक ट्रक गांजा लेकर आ रहे तस्कर धनपति नायक थाना जयपुर जिला कोरापुट को पुलिस ने पकड़ा। उसे विशेष अदालत ने बीस वर्ष कैद और दो लाख रुपए जुर्माना की सजा से दंडित किया। वह केन्द्रीय जेल में निरूद्ध रहा।

गांजा तस्कर धनपति नायक को रक्षित केन्द्र के सहायक उपनिरीक्षक संतोष उपाध्याय, आरक्षक राकेश दुबे व अजय रिंगवार केन्द्रीय जेल में 29 जनवरी को बस द्वारा जगदलपुर केशकाल-कोण्डागांव के बीच वह पुलिस कर्मियों को चकमा देकर फरार हो गया। इस घटना के बाद उसे ले जा रहे पुलिस टीम ने जयपुर इलाके में पिछले 4-5 दिनों तक धनपति की तलाश की गई। लेकिन वह नही मिला, तब उक्त टीम यहां लौट आई।